



लण्ड कट जाएगा.. ऐसा लगा-1

“ हमने प्रेम-विवाह किया था। शादी से पहले हमने कभी सम्भोग नहीं किया था। हम शादी करने के लिए बहुत उतावले थे। शादी के बाद सुहागरात कैसे मनाई हमने... मज़ा लीजिए। ...”

Story By: Rishi Kumar (rishi20091982)

Posted: Monday, December 12th, 2016

Categories: पहली बार चुदाई

Online version: लण्ड कट जाएगा.. ऐसा लगा-1

लण्ड कट जाएगा.. ऐसा लगा-1

मेरा नाम ऋषि है, मैं छत्तीसगढ़ के एक छोटे से गाँव से हूँ।

आप सोच रहे होंगे कि यह कैसा शीर्षक है कहानी का
'लण्ड कट जाएगा.. ऐसा लगा'

यह भी कोई शीर्षक है..

लेकिन यह शीर्षक मेरे और मेरी बीवी सरिता के पहले सम्भोग की गवाह है.. जिसे जब तक जिन्दा हूँ.. कभी भूल नहीं पाऊँगा और इस क्षण को अनुभव करवाने के लिए अपनी बीवी सरिता का मैं हमेशा आभारी रहूँगा।

मैं एक मध्यमवर्गीय परिवार से सम्बंधित हूँ, गाँव का होने की वजह से देखने में मेरा शरीर हृष्ट-पुष्ट और तंदरुस्त है, शकल-सूरत से भी ठीक ठाक हूँ।

मेरी यह कहानी मेरी और मेरी बीवी सरिता की है, कहानी बहुत ही दिलचस्प और बिल्कुल सच्ची है। मेरा दावा है कि इस सच्ची घटना को पढ़ने के बाद सम्भोग में आपकी रुचि और बढ़ जाएगी।

मेरी बीवी सरिता बहुत ही गोरी, खूबसूरत और गाँव की होने की वजह से वो भी गठीले शरीर की मालकिन है.. एकदम क्रयामत लगती है।

जिस समय हमारी शादी हुई.. मेरी उम्र 21 साल और सरिता 18 साल की थी और बहुत ही क्रयामत लगती थी.. वो आज भी जैसी की तैसी दिखती है।

वैसे हमने प्रेम-विवाह किया था। शादी से पहले हमने कभी सम्भोग नहीं किया था। हमें पता नहीं था कि सम्भोग कैसे किया जाता है। उत्तेजना तो होती थी लेकिन कभी करने का

मौका नहीं मिला, बस उसके उरोजों को दबाया था और चूमा था।

मैं और सरिता शादी करने के लिए बहुत ही उतावले थे, वो दिन आ ही गया जिसका हमें बेसब्री से इंतज़ार था।

कहानी को ज्यादा लम्बा न करते हुए मैं सीधे सुहागरात पर आता हूँ। शादी के दूसरे दिन हम लोगों को अपना कमरा दिया गया। रात हुई, सरिता कमरे में पहले से पहुँच गई थी। मैं भी अन्दर गया, सरिता लाल साड़ी में सज-धज कर तैयार बैठी थी। कमरे में CFL की दूधिया रोशनी में वो एक क़यामत लग रही थी।

मैं तो उसे देखता ही रह गया इतनी खूबसूरत लग रही थी कि मैं आपको शब्दों में नहीं बता सकता। लाल साड़ी में लिपटा हुआ उसका गोरा बदन बहुत ही हाहाकारी लग रहा था। जी तो कर रहा था कि तुरंत जाऊँ और उसे पकड़ लूँ, लेकिन सम्भोग के मामले में जल्दीबाजी ठीक नहीं होती इसलिए मैंने अपने आप पर काबू किया क्योंकि अब सरिता तो मेरी ही थी, तो क्यों न आराम से सम्भोग किया जाए।

मैं सरिता के नजदीक गया और मैं भी बिस्तर पर बैठ गया, उसके दोनों कन्धों को पकड़ा और एक सोने की अंगूठी उसे उपहार स्वरूप दी।

सरिता बोली- इसकी क्या जरूरत थी, हम दोनों जो चाहते थे.. वो तो हमें मिल गया। मैं बोला- देना जरूरी था, मुँह दिखाई के लिए देना पड़ता है।

उसके बाद हमने बहुत सारी बातें की उसकी और मेरे बारे में... जैसे इतना दिन मैं उसके बिना कैसे रहा वो मेरे बिना कैसे रही।

वैसे आग तो दोनों तरफ लगी थी... तो पहल मैंने की, उसके चेहरे को हाथ में लिया और दोनों आँखों को चूमा।

उसका शरीर गुलाबी होने लगा था।

उसके बाद उसके होंठों पर अपने होंठ रख दिए। कुछ देर होंठों को चूमने के बाद वो खुद जीभ बाहर निकाल कर मेरा साथ देने लगी। जब जीभ से जीभ टकराते थे.. तो जन्नत का अनुभव होता था।

अब दोनों के मुह की लार एक-दूसरे के मुँह में जाने लगी, बहुत अच्छा लग रहा था।

अब हमारे होंठ एक-दूसरे से अलग हुए, मैंने उसके कपड़े धीरे-धीरे उतारने शुरू किए, सबसे पहले उसकी साड़ी उतारी, उसके बाद उसके खुले अंगों को लगातार चूमने लगा। सरिता सिसकारियां लेने लगी 'उन्हूह.. उन्हूह.. अह.. इस्स्स..'

उसके बाद धीरे-धीरे उसके ब्लाउज के बटन खोलने लगा।

ब्लाउज उतारने के बाद उसके अन्दर की ब्रा दिखी जो लाल रंग की थी।

मैं ब्रा के बाहर से ही उसके उरोजों को चूमने लगा, उसकी मादक सिसकारियाँ बढ़ने लगीं 'उन्हूहूह.. उन्ह.. अह.. इस्स्स..'

अब बारी थी उसके पेटिकोट की.. उसके पेटिकोट का नाड़ा जैसे ही खोलने को हुआ, उसने मेरा हाथ पकड़ लिया और उसे खोलने के लिए मना करने लगी।

लेकिन मैं नहीं माना और जबरदस्ती नाड़ा खींच दिया, फिर धीरे-धीरे पेटिकोट उतारने लगा।

यह हिन्दी सेक्स कहानी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

अब सरिता शर्मने लगी और अपने कमर वाली जगह को ढकने लगी, उसका चेहरा शर्म से गुलाबी होने लगा, उस समय सरिता लाल पैन्टी और लाल ब्रा में बिल्कुल बला जैसी खूबसूरत लग रही थी।

वो अपना पूरा अंग छुपाने की नाकाम कोशिश करने लगी ।

मैंने उसे बिस्तर पर लिटाया और उसे बेतहाशा चूमने लगा । जहाँ मैं चूमता जाता उस जगह लाल-लाल निशान पड़ने लगे ।

सरिता गर्म होने लगी और गर्म-गर्म साँसें लेने लगी, उसके मुँह से कामुक आवाजें निकलने लगीं 'ओह.. उम्म... इस्स..'

जैसे ही मैं किसी जगह को चूमता.. उसकी 'ओह.. इस्स्स्स..' की आवाज आती ।

मैं फिर से उसकी ब्रा के ऊपर से ही मम्मों को चूमने और चूसने लगा, उसकी कामुक आवाजें और तेज हो गईं 'इस्स.. आह्ह.. ओह्ह..'

अब मैं उसकी ब्रा को खोलने लगा तो सरिता मना करने लगी लेकिन मैं कहाँ मानने वाला था, उसे उठा कर बिठाया और ब्रा के हुक को खोलने लगा ।

ब्रा का हुक खोलते ही मैं उसके तने हुए उरोज देख कर दंग रह गया । इतना गोरा तन.. आप विश्वास नहीं करोगे । मेरे मुँह में पानी आ गया ।

मैं उसे देखता ही रह गया, मेरा हाथ अपने आप उसके ऊपर रेंगने लगे, पहली बार किसी के एकदम गदराए हुए चूचों को देखा था ।

दिखने में ठोस और छूने में इतने मुलायम चूचे थे कि उसके सामने रुई की नरमी भी बेकार थी ।

उत्तेजना के मारे उसके मम्मों के टिप कड़े हो उठे थे । वे सुर्ख गुलाबी कलर रंग के हो उठे थे ।

मैं उसके निप्पल को मुँह में लेकर चूसने लगा, सरिता का बुरा हाल होने लगा, वो जोर जोर से सिसकारने लगी 'इस्स्स्स.. आह्ह.. ओह्ह..'

उसके बाद चूमते हुए मैं नीचे आने लगा, उसकी पैन्टी के पास आया, उसकी कामरस की खुशबू पाकर मेरा मन खुश हो गया।

नारियल जैसी खुशबू मेरी उत्तेजना और बेसब्री को बढ़ा रही थी।

अब मैं बाहर से ही उसकी योनि को चूमने लगा।

क्या बताऊँ दोस्तो.. उसकी योनि के रस से उसकी पैन्टी भीग गई थी, मैं पैन्टी के ऊपर से ही उसके कामरस का आनन्द लेने लगा। मेरे सब्र का बांध टूट रहा था, जितनी बार मैं उसे चूमता.. उतनी बार उसका शरीर अकड़ने लगता। सरिता जोरों से मादक सिसकारियाँ लेती और बस यही बोलती- ओह.. जान.. इस्स.. ओह्ह.. इस्स.. प्लीज ऐसा मत करो.. प्लीज ऐसा मत करो।

उसकी रिक्वेस्ट में इंकार से ज्यादा स्वीकृति थी।

मुझे उसे तड़पाने में बड़ा मजा आ रहा था, जैसे ही वो बोलती कि प्लीज ऐसा मत करो, मैं उसकी योनि को और जोर से चूम लेता था।

अब मुझसे सब्र नहीं हुआ और मैं सरिता की पैन्टी को उतारने लगा, सरिता ने मना कर दिया।

दोस्तो.. आगे की कहानी भी लिखूंगा.. जरा सब्र कीजिए।

आप अपने मेल मुझे भेज सकते हैं।

rishi.20091982@gmail.com

कहानी जारी है।

Other stories you may be interested in

प्यार की शुरुआत या वासना-3

अभी तक मेरी मामी की सेक्स कहानी के दूसरे भाग में आपने पढ़ा कि कैसे मामी ने मेरा लंड पकड़ कर मेरी मुठ मारी. अब आगे : मामी 'बदतमीज कहीं का ...' बोल कर गुस्से में वहाँ से चली गई और [...]

[Full Story >>>](#)

भाग्य से मिली परी सी भाभी की चुत

सभी मित्रों को मेरा प्यार भरा नमस्कार! मेरा नाम पवन कुमार है, मैं जयपुर राजस्थान का रहने वाला हूँ. मेरा रंग रूप सामान्य है. मेरी लम्बाई जरूर असमान्य है. मैं 5 फुट 11 इंच का हूँ. इस समय मेरी उम्र [...]

[Full Story >>>](#)

तीन पत्ती गुलाब-5

ये साली नौकरी भी जिन्दगी के लिए फजीता ही है। यह अजित नारायण (मेरा बॉस) भोंसले नहीं भोसड़ीवाला लगता है। साला एक नंबर का हरामी है। पिछले 4 सालों से कोई पदोन्नति (प्रमोशन) ही नहीं कर रहा है। आज मैं [...]

[Full Story >>>](#)

आखिर अपनी चाहत को चोद ही दिया

मेरा नाम सुनील पंवार है मैं गुड़गाँव का रहने वाला हूँ। मेरी उम्र 24 वर्ष है। मैं कॉलेज की पढ़ाई कर रहा हूँ। मैं कॉलेज कम ही जाता हूँ क्योंकि यह हमारे कॉलेज का आखिरी वर्ष है। मेरा ग्रेजुएशन पूरे [...]

[Full Story >>>](#)

प्यार की शुरुआत या वासना-1

सभी पाठकों को राघव का नमस्कार! यह मेरी पहली कहानी है जो मैं आप लोगों से साझा कर रहा हूँ. मेरा प्लेसमेंट बी टेक थर्ड ईयर में यहीं गुड़गाँव की एक कंपनी में हो गया था, ये मेरे कॉलेज का [...]

[Full Story >>>](#)

